p>

Title: Regarding Black marketing of cement in Chhattisgarh.

श्री संतोष पान्डेय (राजनंदगाँव): सम्माननीय सभापति महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद ।

एक तरफ तो राष्ट्र में हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री मोदी जी की सरकार बिछड़े, भटके, गरीबों के लिए समर्पित है और दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ में जो सरकार है, वह दुकानदारी करने में लगी है । यहां तो रोटी, कपड़ा और मकान की सब प्रकार से व्यवस्था की जा रही है और वहां दुकानदारी चल रही है ।

महोदय, छत्तीसगढ़ में सीमेंट की कालाबाजारी चालू हो चुकी है । कंपनियों से सीमेंट सप्लाई बंद है । जिसके पास स्टॉक है, 240 और 250 रुपये प्रति बैग की सीमेंट को 320 और 370 रुपये तक बेच रहे हैं । यह निर्धारित दर से 50 और 60 रुपये अधिक दर पर बिकने लगा है । गर्मी का मौसम होने की वजह से इन दिनों भवन निर्माण का काम व्यापक पैमाने पर चल रहा है । बढ़ी हुई कीमत का खामियाजा भवन निर्माताओं और उपभोक्ताओं को भोगना पड़ रहा है । अधिकतर भवन निर्माता समय पर निर्माण कार्य पूरा करना चाहते हैं । लोग किल्लत के बावजूद अधिक कीमत पर सीमेंट खरीद रहे हैं ।

महोदय, सीमेंट को लेकर देश के प्रमुख व उत्पादन की दृष्टि से छत्तीसगढ़ राज्य प्रथम स्थान पर है । यहां प्रतिमाह 25 से 30 लाख टन सीमेंट का उत्पादन होता है । यदि उत्पादन प्रभावित होता है तो इसका असर पूरे देश पर पड़ेगा । छत्तीसगढ़ में सीमेंट उत्पादन व परिवहन को लेकर जो परिस्थितियां निर्मित हुई हैं, उसका सीधा असर देश के बाजार पर पड़ रहा है । इससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं । 20 प्रतिशत की वृद्धि करने से वह बैग 0 से 45 रुपये प्रति बोरी महंगा हो गया है । इससे आम उपभोक्ताओं की जेब पर बुरा असर पड़ रहा है ।

महोदय, पूरे प्रदेश में जो कंपनियां हैं, कुछ कंपनियों की भूमिका संदिग्ध है । आखिर इसके लिए कौन जिम्मेदार है? कंपनी व सरकार की भूमिका संदिग्ध है । यह स्पष्ट होनी चाहिए । मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं, जिससे उपभोक्ताओं को लूट और बर्बादी से बचाया जा सके ।

माननीय सभापति : श्री सी. पी. जोशी जी ।

जोशी जी, कृपया आप अपना भाषण देने के बाद न जाएं । कोई माननीय सदस्य न जाएं ।